Central Government offices, the question of translating and printing them by this Ministry does not arise.]

हिन्दी टाइपराइटर

३८३. **श्री नवाबसिंह चौहान** : क्या **परिवहन तथा संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उनके मंत्रालय में बढ़ते हुए हिन्दी के कार्य को दृष्टि में रख कर गत एक वर्ष में कितने और नये हिन्दी टाइपराइटर मंगाये गये हैं या उनके लिये इन्डेन्ट भेजे जा चुके हैं; और

(ख) यदि कोई टाइपराइटर नहीं मंगाये गये या उनके लिये इन्डेंट नहीं भेजे गये, तो जिन अनुभागों को हिन्दी में नोटिंग और ड्राफ्टिंग की अनुमति दे दी गई है, उनमें हिन्दी टाइपिंग का क्या प्रबन्ध है ?

†[HINDI TYPEWRITERS

383. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of TRANSPORT AND COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) how many new Hindi typewriters have been procured or the indent for the same has been submitted during the last one year with a view to meeting the increasing volume of Hindi work in his Ministry; and

(b) if no Hindi typewriter has been procured and indent for none has been submitted, what arrangements have been made for the typing work in the sections which have been allowed to have noting and drafting in Hindi?]

परिवहन तथा संचार मंत्री (डा० पी० सुब्बारायन) : (क) एक ।

(ख) हिन्दी में नोटिंग और ड्राफ्टिंग की अनुमति केवल हिन्दी अनुभागों को दी गई है, जिनके पास पहले से ही पर्याप्त संख्या में हिन्दी टाइपराइटर हैं ।

†[THE MINISTER OF TRANSPORT AND COMMUNICATIONS (DR. P. SUBBARAYAN): (a) One.

(b) Noting and drafting in Hindi has been allowed only in Hindi Sections which already have adequate number of Hindi typewriters.]

हिन्दी टाइपराइटर

३८४. **श्री नवाबसिंह चौहान** : क्या **सामुदायिक विकास तथा सहकार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उनके मंत्रालय में बढ़ते हुए हिन्दी के कार्य को दृष्टि में रख कर गत एक वर्ष में कितने और नये हिन्दी टाइपराइटर मंगाये गये हैं या उनके लिये इन्डेंट भेजे जा चुके हैं ; और

(ख) यदि कोई टाइपराइटर नहीं मंगाये गये या उनके लिये इन्डेंट नहीं भेजे गये, तो जिन अनुभागों को हिन्दी में नोटिंग और ड्राफ्टिंग की अनुमति दे दी गई है, उन में हिन्दी टाइपिंग का क्या प्रबन्ध है ?

†[HINDI TYPEWRITERS

384. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of COMMUNITY DEVELOPMENT AND CO-OPERATION be pleased to state:

(a) how many new Hindi typewriters have been procured or the indent for the same has been submitted during the last one year with a view to meeting the increasing volume of Hindi work in his Ministry; and

(b) if no typewriter has been procured and indent for none has been submitted, what arrangements have been made for the typing work in

†[ ] English translation.

Hindi in the sections which have been allowed to have noting and drafting in Hindi?]

सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्री के संसदीय सचिव (श्री एस० डी० मिश्र) : (क) एक ।

(ख) गत एक वर्ष में मंगाये गये एक हिन्दी टाइपराइटर के अतिरिक्त दो हिन्दी टाइपराइटर पिछले वर्षों में मंगाये गये थे जो मंत्रालय में हिन्दी कार्य के प्रयोग में लाये जा रहे हैं ।

†[THE PARLIAMENTARY SECRETARY TO THE MINISTER OF COMMUNITY DEVELOPMENT AND CO-OPERATION (SHRI S. D. MISHRA): (a) One.

(b) Besides the one Hindi typewriter since procured, two Hindi typewriters had been procured in previous years which are being utilised for Hindi work in the Ministry.]

सिंचाई तथा विद्युत् मंत्रालय के अंग्रेजी तथा हिन्दी के प्रकाशन

३८५. **श्री नवाबसिंह चौहान** : क्या **सिंचाई तथा विद्युत्** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उनके मंत्रालय तथा उससे संलग्न कार्यालयों द्वारा सन् १९६१ की प्रथम छमाही में कितने प्रकाशन निकाले गये हैं और उनमें से कितने प्रकाशनों का हिन्दी रूपान्तर भी निकाला गया है ;

(ख) जिन प्रकाशनों का हिन्दी रूपान्तर नहीं निकाला गया है, उसका क्या कारण है ; और

(ग) क्या भविष्य में सभी प्रकाशनों को अंग्रेजी तथा हिन्दी में साथ साथ निकालने का प्रबन्ध किया जा रहा है ?

†[PUBLICATIONS OF THE MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER IN ENGLISH AND HINDI

385. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of IRRIGATION AND POWER be pleased to state:

(a) the number of publications brought out by his Ministry and its attached offices during the first half of the year 1961 and the number of such publications out of them whose Hindi version has also been brought out;

(b) the reason for not bringing out Hindi version of other publications; and

(c) whether arrangement is being made to bring out all the publications in future in English and Hindi simultaneously?]

सिंचाई तथा विद्युत् उपमंत्री (श्री ज० ला० हाथी) : (क) इस अवधि में १२ प्रकाशन निकाले गये । इनमें से केवल एक प्रकाशन का हिन्दी रूपान्तर निकाला गया ।

(ख) तथा (ग) जिन प्रकाशनों का हिन्दी संस्करण नहीं निकाला गया था, वे तकनीकी विषयों पर थे और सीमित परिचालन के लिये ही थे । ऐसे प्रकाशनों के हिन्दी रूपान्तर निकालना इस समय आवश्यक नहीं समझा गया है ।

†[THE DEPUTY MINISTER OF IRRIGATION AND POWER (SHRI J. S. L. HATHI): (a) The number of publications brought out during this period was 12. Out of these, Hindi version was brought out in the case of one publication.

(b) and (c) The publications in which no Hindi version was brought out were of a technical nature and meant for limited circulation. It is not considered necessary, at present, to bring out Hindi versions of such publications.]

†[ ] English translation.